# देशीय हिन्दी अकादमी

## प्रतिभा हिन्दी छात्रवृत्ति परीक्षा - नवंबर 2022

STD : X

समयः 2 घंटे　　　　　　　　　　　　　　　　　　　　कुल अंक : 100

1. निम्नलिखित शब्दों का समास विग्रह करके समास का नाम लिखें। $5\times1=5$

   क) राजभाषा　　ख) डाकघर　　ग) परीक्षाफल

   घ) जन्मांध　　ङ) महादेव

2. दो-दो पर्यायवाची शब्द लिखें। $5\times1=5$

   क) रोष　　ख) समुद्र　　ग) दिन

   घ) मुक्त　　ङ) याराना

3. शब्दों के प्रचलित रूप लिखें। $5\times1=5$

   क) कुसुम्बी　　ख) देख्या　　ग) तास

   घ) भीर　　ङ) बूढता

4. निर्देशानुसार बदलें। $5\times1=5$

   क) वह वास्तव में बहुत धनी है। उसमें कुछ भी अभिमान नहीं है। (संयुक्त वाक्य में)

   ख) वे बाज़ार गए और सब्जी ले आए। (सरल वाक्य में)

   ग) वह लड़का गाँव जाकर बीमार हो गया। (मिश्र वाक्य में)

   घ) आलसी होने के कारण वह विफल हुआ। (संयुक्त वाक्य में)

   ङ) आप घर लौटने पर मुझे फोन करें। (मिश्र वाक्य में)

5. मुहावरों का अर्थ लिखकर वाक्यों में प्रयोग करें। $3\times2=6$

   क) गर्दन उठाना-

   ख) उँगली उठाना-

   ग) चार चाँद लगाना-

6. लोकोक्तियों का अर्थ लिखकर वाक्यों में प्रयोग करें। $2\times2=4$

   क) हाथी के दाँत दिखाने के और खाने के और-

   ख) जिसकी लाठी उसकी भैंस-

7. हिन्दी में अनुवाद करें। $5\times1=5$

   a) Ministry of Communication　　b) Ministry of External Affairs　　c) Ministry of Defence

   d) Ministry of steel and mines　　e) Ministry of Information and Broadcasting

8. संज्ञा की परिभाषा लिखकर उसके भेद समझाएँ? 10

9. सत्संगति -इस विषय के बारे में अनुच्छेद लिखें? 10

10. हिन्दी के आधुनिक प्रतिनिधि कवि मैथिलीशरण गुप्त के बारे में लिखें। 10

11. अपने क्षेत्र में सार्वजनिक पुस्तकालय एवं वाचनालय खोलने की प्रार्थना करते हुए शिक्षा विभाग के सचिव को पत्र लिखें। 10

12. गद्यांश पढ़कर प्रश्नों के उत्तर लिखें। 10

हमारे देश के त्योहार चाहे धार्मिक दृष्टि से मनाए जा रहे है, या नए वर्ष के आगमन के रूप में, फसल की कटाई एवं खलिहानों के भरने की खुशी में हो या महापुरुषों की याद में सभी अपनी विशेषताओं एवं क्षेत्रीय प्रभाव से युक्त होने के साथ ही देश की राष्ट्रीय एवं सांस्कृतिक एकता और अखंडता को मज़बूती प्रदान करते हैं। ये त्योहार जहाँ जनमानस में उल्लास, उमंग एवं खुशहाली भर देते हैं,वहीं हमारे अंदर देश-भक्ति एवं गौरव की भावना के साथ-साथ, विश्व-बंधुत्व एवं समन्वय की भावना भी बढ़ते हैं। इनके द्वारा महापुरुषों के उपदेश हमें बार-बार इस बात की याद दिलाते हैं कि सद्विचार एवं सद्भावना द्वारा ही हम प्रगति की ओर बढ़ सकते हैं। इन त्योहरों के माध्यम से हमें यह भी शिक्षा मिलती हैं कि वास्तव में धर्मों का मूल लक्ष्य एक है, केवल उस लक्ष्य तक पहूँचने के तरीके अलग-अलग हैं।

(क) उपर्युक्त गधांश का उपयुक्त शीर्षक लिखिए?

(ख) त्योहारों से मनुष्य को यह शिक्षा मिलती है?

(ग) हमारे देश में त्योहार मनाने के मुख्य आधार क्या है?

(घ) त्यौहारों का हमारे जीवन में क्या महत्व है?

(ड) त्योहारों और महापुरुषों के उपदेश में समानता गधांश के आधार पर स्पष्ट कीजिए?

13. सामान्य ज्ञान - 10

बढ़ती महँगाई व कीमतों के बारे में नीना और लीला के बीच संवाद लिखें।

14. गद्य खंड को उचित चिह्न लगाकर सुंदर लिखावट में लिखें। 5

माँ मुझे संन्यास लेने की आज्ञा दो पुत्र मुझ दुःखियारी की देखभाल कौन करेगा इस प्रकार माँ पुत्र में सदा बातें हुआ करती एक दिन शंकर अपनी माँ के साथ नदी पार कर रहे थे एका एक पानी का बहाव आया और शंकर वह गये माँ जोर से रोने चिल्लाने लगी शंकर वह गये माँ मुझे संन्यास की आज्ञा दो नहीं तो मैं डूब मरूँगा माता ने कहा पुत्र तुम बच जाओ भले ही संन्यासी बन जाओ प्रभु का खेल पानी कम हो गया और संकर निकल आये माता की आज्ञा पाकर शंकर संन्यास लेने चले माता बोली बेटा जाओ प्रभु तुमको सफलता दे मेरी एक अभिलाष है कि मेरे अंतिक समय तुम मेरे पास आना और अपने हाथों मेरी अंत्येष्टि करना बेटा माना गया शंकर ने संन्यास लिया गुरु के चरणों में बैठकर थोड़े दिनें में सभी वेद शास्त्र मथ डाले उन दिनों भारत वर्ष में बौद्ध धर्म बिगड़ चुका था लोग ईश्वर को नहीं मानते थे भय और संकोच के बिना लोग बुरे बुरे कार्य थे